>

Title: Need to immediately start renovation and repair work of Western Gandak Canal in Uttar Pradesh.

श्री हर्ष वर्धन (महाराजगंज, उ.प्र.) : उत्तर प्रदेश एवं बिहार के बड़े भू–भाग को सींचने वाली मुख्य पश्चिमी गंडक नहर का उद्गम नेपाल एवं बिहार के कुछ भाग में गंडक नदी पर बनाए गए बैराज से होता है। शीर्ष पर 18800 क्यूसेक डिस्चार्ज वाली यह नहर नेपाल में लगभग 19 कि.मी. की दूरी पार कर उत्तर प्रदेश में आने पर नहर का डिस्चार्ज 15800 क्यूसेक होता है। इस नहर के जल का 7300 क्यूसेक अंश उ.प्र. तथा 8500 क्यूसेक अंश बिहार के लिए है। उ.प्र. के महराजगंज, गोरखपुर, देवरिया एवं कुशीनगर में यह नहर सिंचाई का मुख्य साधन है।

नहर में सिल्ट की अत्यधिक मात्रा जम जाने के कारण जल का वास्तविक डिस्चार्ज परिकल्पित डिसचार्ज की अपेक्षा लगभग 60 प्रतिशत कम हो गया है जिसके चलते सिंचाई क्षमता पर अत्यधिक विपरीत प्रभाव पड़ा है। सूखे की वर्तमान दशा में नहर अपना उद्देश्य पूरा करने में सफल नहीं हो सकती है। नहर की वर्तमान अवस्था अत्यंत जीर्णशीर्ण हो गई है। रेगुलेटर, गेट, लाइनिंग आदि अधिकांश स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण नहर पूरी तरह असुरक्षित हो गई है।

बिहार में इस नहर के पुनरूद्धार का काम इस वर्ष हुआ है परंतु उ.प्र. में स्थिति जस की तस है। केन्द्रीय जल आयोग के समक्ष लंबित इस नहर की क्षमता पुनर्स्थापना योजना परियोजना पर उ.प्र. में पड़ने वाले नहर के भाग पर कोई कार्य नहीं होने से स्थिति और भी विषम हो गई है। अतः मेरी मांग है कि मुख्य पश्चिमी गंडक नहर के उ.प्र. के भाग का पुनरूद्धार तत्काल कराया जाए।